

The health of soil, organic farming and sustainable agriculture.



Rajasthan will carry out the statewide campaign of “Aapno Khet-Aapni Khaad” on the period between the 6 April and 30 April 2026 to promote the idea of soil health conservation, less reliance on chemical fertilisers, and adoption of organic and natural farming by farmers. The campaign will assist farmers to make organic manure and nutrient inputs using the resources they have in their fields. Regarding the issue of climate change, the campaign emphasizes that the health of soil is crucial to the stability of agriculture in the long run, productivity, and farm output of superior quality. The uploaded content structure guidance is converted to this format.

The major characteristics of the Campaign are as follows

- The campaign will be carried out in the state of Rajasthan between 6 April and 30 April 2026.
- It aims at minimizing the reliance of farmers on use of chemical fertilisers.
- It will encourage the use of organic manure, natural farming and balanced nutrition of nutrients.
- The farmers will be motivated to make preparations of inputs with the available resources in their farms.
- Particular attention to the campaign is paid to the improvement of soil fertility and sustainable agriculture.

Significant Practices that are being propagated

Organic and Natural Organisations

- Advertisement of indigenous organic manure: vermi-compost and compost.
- Promotion of bio-fertilisers and natural farming techniques.

Practical demonstration of:

- Jeevamrit
- Beejamrit
- Ghanjeevamrit
- Panchgavya
- Vermi-compost

High technology methods of compost preparation.

Green Manuring

Particular attention to green manure crops:

- Dhaincha
- Guar
- Dhaincha + Guar/Chawla combinations

The crops contribute to the enhancement of:

- soil fertility
- accessibility of the soil nutrients.

Bio-fertilisers

The application of the following bio-fertilisers will be encouraged:

- Rhizobium
- Azotobacter
- PSB (Phosphate Solubilising Bacteria)

The awareness and outreach activities will be examined in this section

Village-level Mass Awareness Drive.

- The villages and gram panchayats will be covered by the campaign through a massive publicity campaign.

It will include:

- Farmer meetings
- Night chaupals

- Morning awareness marches
- Training programmes
- School-based awareness activities

Active involvement of the experts of:

- Agricultural universities
- There are Krishi Vigyan Kendras (KVKs).
- ICAR institutions

Farmers and Rural Stakeholders Involvement

- Progressive farmers
- Innovative farmers
- Successful organic farmers

Such farmers will have an opportunity to discuss their experience and inspire others.

Participation will also be of the following:

- Krishi Sakhis
- CRPs
- Farmer friends
- Women who were linked to movements like Namoo Drone Didi.

Balanced use of fertilisers and Soil testing.

The farmers will be encouraged to apply the fertilisers in a moderate way, depending on:

- Soil testing
- Soil Health Cards

The campaign will also create awareness regarding alternatives to:

- SSP
- NPK
- TSP

These substitutes may be used to supply valuable nutrients, including:

- Sulphur
- Calcium

Monitoring and Implementation

Monitoring committees have been established

- District level
- Block level

- Gram Panchayat level

Such committees will oversee the campaign at all times.

The initiative will also be advertised using:

- Special camps
- Gram sabhas
- Other local programmes

Importance of the Campaign

The campaign, Aapno Khet -Aapni Khaad is significant as it can:

- decrease the expense of farming among farmers.
- improve long-term soil health.
- support environmental balance
- promote sustainable systems of agriculture.
- enhance the quality and the productivity of agricultural products.

Conclusion

The Aapno Khet-Aapni Khaad campaign initiated by the Rajasthan government is a major stride in conserving the soil as well as maintaining sustainable agriculture. The campaign relates agricultural productivity and environmental responsibility and long-term farm resiliency by promoting organic inputs, green manuring, bio-fertilisers, soil testing, and balanced use of nutrients.

MCQs

1. The primary target of the campaign of Aapno Khet -Aapni Khaad of Rajasthan is to:

- (a) increase the use of imported fertilisers
- (b) encourage natural and organic agriculture and limit the use of chemical fertilisers.
- (c) substitute cash crops with food crops.
- (d) supply farmers with free tractors.

Answer: (b)

Explanation: The campaign has been initiated to preserve the health of the soil, lessen reliance on chemical fertilisers, as well as persuade farmers to use organic and natural methods of farming with the help of the resources that they have in their own fields.

2. Which of the following is particularly encouraged under the campaign as a green manure practice?

- (a) Cotton and mustard.
- (b) Wheat and barley
- (c) Dhaincha and guar.
- (d) Tea and coffee

Answer: (c)

Explanation: Green manure crops like dhaincha, guar, and mixes of dhaincha and guar or chawla are being given special focus in the campaign because these enhance soil fertility and availability of nutrients.

3. The under-campaign farmers are being recommended to apply the fertilisers in a balanced manner based on:

- (a) export demand and market prices.
- (b) forecasts alone of monsoons.
- (c) soil testing and Soil Health Cards.
- (d) village population information.

Answer: (c)

Explanation : The key element of the campaign is to encourage balanced application of fertilisers on the basis of soil testing and Soil Health Cards to enable farmers to apply the right nutrients and enhance the health of soil in the long-term.

मृदा स्वास्थ्य, जैविक खेती और टिकाऊ कृषि

राजस्थान में 6 अप्रैल से 30 अप्रैल 2026 तक “आपणों खेत-आपणी खाद” नामक राज्यव्यापी अभियान चलाया जाएगा। इसका उद्देश्य मृदा स्वास्थ्य संरक्षण, रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम करना, तथा किसानों को जैविक और प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए प्रेरित करना है। यह अभियान किसानों को अपने ही खेतों में उपलब्ध संसाधनों से जैविक खाद और पोषक तत्व तैयार करने में सहायता करेगा। जलवायु परिवर्तन के वर्तमान दौर में यह अभियान इस बात पर विशेष बल देता है कि मृदा का स्वास्थ्य कृषि की दीर्घकालिक स्थिरता, उत्पादकता तथा बेहतर गुणवत्ता वाले कृषि उत्पादन के लिए अत्यंत आवश्यक है।

अभियान की प्रमुख विशेषताएँ

- यह अभियान राजस्थान राज्य में 6 अप्रैल से 30 अप्रैल 2026 तक चलाया जाएगा।

- इसका उद्देश्य किसानों की रासायनिक उर्वरकों के उपयोग पर निर्भरता कम करना है।
- इसके माध्यम से जैविक खाद, प्राकृतिक खेती तथा पोषक तत्वों के संतुलित उपयोग को प्रोत्साहन दिया जाएगा।
- किसानों को अपने खेतों में उपलब्ध संसाधनों से कृषि आदान तैयार करने के लिए प्रेरित किया जाएगा।
- अभियान में मृदा उर्वरता सुधार और टिकाऊ कृषि पर विशेष ध्यान दिया गया है।

प्रोत्साहित की जा रही प्रमुख पद्धतियाँ

जैविक और प्राकृतिक आदान

- वर्मी कम्पोस्ट और कम्पोस्ट जैसी देशी जैविक खादों को बढ़ावा दिया जाएगा।
- जैव उर्वरकों और प्राकृतिक खेती की तकनीकों को प्रोत्साहित किया जाएगा।
- निम्नलिखित का प्रायोगिक प्रदर्शन किया जाएगा:
 - जीवामृत
 - बीजामृत
 - घनजीवामृत
 - पंचगव्य
 - वर्मी कम्पोस्ट
 - उन्नत कम्पोस्ट निर्माण विधियाँ

हरी खाद

- हरी खाद वाली फसलों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा:
 - ढैंचा
 - ग्वार
 - ढैंचा + ग्वार/चवला मिश्रण
- ये फसलें निम्न में सहायक हैं:
 - मृदा उर्वरता में वृद्धि
 - मिट्टी में पोषक तत्वों की उपलब्धता बढ़ाना

जैव उर्वरक

निम्नलिखित जैव उर्वरकों के उपयोग को प्रोत्साहित किया जाएगा:

- राइजोबियम
- एजेटोबैक्टर

- फॉस्फेट घुलनशील जीवाणु

जन-जागरूकता और पहुँच गतिविधियाँ

ग्राम स्तर पर व्यापक जन-जागरूकता अभियान

यह अभियान गाँवों और ग्राम पंचायतों तक व्यापक प्रचार-प्रसार के माध्यम से पहुँचाया जाएगा। इसमें शामिल होंगे:

- कृषक बैठकें
- रात्रि चौपाल
- प्रभात जागरूकता रैलियाँ
- प्रशिक्षण कार्यक्रम
- विद्यालय आधारित जागरूकता गतिविधियाँ

वैज्ञानिक सहयोग सुनिश्चित करने के लिए निम्न संस्थानों के विशेषज्ञ सक्रिय भागीदारी करेंगे:

- कृषि विश्वविद्यालय
- कृषि विज्ञान केन्द्र
- भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के संस्थान

किसानों और ग्रामीण भागीदारों की भागीदारी

- प्रगतिशील किसान
- नवाचारी किसान
- सफल जैविक किसान

इन किसानों को अपने अनुभव साझा करने और अन्य किसानों को प्रेरित करने का अवसर दिया जाएगा।

इसके अतिरिक्त निम्न की भागीदारी भी सुनिश्चित की जाएगी:

- कृषि सखियाँ
- सामुदायिक संसाधन व्यक्ति
- कृषक मित्र
- "नमो ड्रोन दीदी" जैसी पहलों से जुड़ी महिलाएँ

संतुलित उर्वरक उपयोग और मृदा परीक्षण

किसानों को निम्न आधारों पर उर्वरकों का संतुलित उपयोग करने के लिए प्रेरित किया जाएगा:

- मृदा परीक्षण
- मृदा स्वास्थ्य पत्रक

अभियान के तहत निम्न विकल्पों के बारे में भी जागरूकता फैलाई जाएगी:

- एसएसपी
- एनपीके
- टीएसपी

इन विकल्पों से मृदा को निम्न महत्वपूर्ण पोषक तत्व प्राप्त हो सकते हैं:

- गंधक
- कैल्शियम

निगरानी और क्रियान्वयन

निम्न स्तरों पर निगरानी समितियाँ गठित की गई हैं:

- जिला स्तर
- ब्लॉक स्तर
- ग्राम पंचायत स्तर

ये समितियाँ अभियान की निरंतर निगरानी करेंगी। इस पहल का प्रचार-प्रसार निम्न माध्यमों से भी किया जाएगा:

- विशेष शिविर
- ग्राम सभाएँ
- अन्य स्थानीय कार्यक्रम

अभियान का महत्व

“आपणों खेत-आपणी खाद” अभियान महत्वपूर्ण है क्योंकि यह:

- किसानों की खेती लागत को कम कर सकता है।
- दीर्घकालिक मृदा स्वास्थ्य में सुधार कर सकता है।
- पर्यावरणीय संतुलन को समर्थन देता है।
- टिकाऊ कृषि प्रणालियों को बढ़ावा देता है।

- कृषि उत्पादों की गुणवत्ता और उत्पादकता दोनों को बढ़ाता है।

निष्कर्ष

राजस्थान सरकार द्वारा शुरू किया गया “आपणों खेत-आपणी खाद” अभियान मृदा संरक्षण और टिकाऊ कृषि की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जैविक आदान, हरी खाद, जैव उर्वरक, मृदा परीक्षण तथा पोषक तत्वों के संतुलित उपयोग को बढ़ावा देकर यह अभियान कृषि उत्पादकता को पर्यावरणीय उत्तरदायित्व और दीर्घकालिक कृषि स्थिरता से जोड़ता है।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. राजस्थान के “आपणों खेत-आपणी खाद” अभियान का प्रमुख उद्देश्य क्या है?

- (a) आयातित उर्वरकों के उपयोग में वृद्धि करना
- (b) प्राकृतिक और जैविक खेती को प्रोत्साहित करना तथा रासायनिक उर्वरकों के उपयोग को सीमित करना
- (c) खाद्य फसलों के स्थान पर नकदी फसलों को स्थापित करना
- (d) किसानों को निःशुल्क ट्रैक्टर उपलब्ध कराना

उत्तर : (b)

व्याख्या: यह अभियान मृदा स्वास्थ्य को सुरक्षित रखने, रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम करने तथा किसानों को अपने ही खेतों में उपलब्ध संसाधनों की सहायता से जैविक और प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से शुरू किया गया है।

2. निम्नलिखित में से किसे इस अभियान के अंतर्गत विशेष रूप से हरी खाद पद्धति के रूप में प्रोत्साहित किया जा रहा है?

- (a) कपास और सरसों
- (b) गेहूँ और जौ
- (c) ढेंचा और ग्वार
- (d) चाय और कॉफी

उत्तर: (c)

व्याख्या: इस अभियान में ढेंचा, ग्वार तथा ढेंचा-ग्वार या चवला के मिश्रण जैसी हरी खाद वाली फसलों पर विशेष बल दिया गया है, क्योंकि ये मृदा की उर्वरता बढ़ाने और पोषक तत्वों की उपलब्धता सुधारने में सहायक होती हैं।

3. इस अभियान के अंतर्गत किसानों को उर्वरकों का संतुलित उपयोग किस आधार पर करने की सलाह दी जा रही है?

- (a) निर्यात मांग और बाजार मूल्य
- (b) केवल मानसून के पूर्वानुमान

- (c) मृदा परीक्षण और मृदा स्वास्थ्य पत्रक
- (d) गाँव की जनसंख्या संबंधी जानकारी

उत्तर : (c)

व्याख्या: इस अभियान का एक प्रमुख तत्व मृदा परीक्षण और मृदा स्वास्थ्य पत्रक के आधार पर उर्वरकों के संतुलित उपयोग को बढ़ावा देना है, ताकि किसान सही पोषक तत्वों का उपयोग कर सकें और दीर्घकाल में मृदा स्वास्थ्य को बेहतर बना सकें।

Civil Defence, Disaster Response and Community Safety.



CIVIL DEFENCE, DISASTER RESPONSE & COMMUNITY SAFETY

PREPARED COMMUNITY • SAFER NATION • RESILIENT FUTURE

WHAT IS CIVIL DEFENCE?

A voluntary organization that prepares, protects and supports communities before, during and after disasters.

DISASTER RESPONSE

- Quick action saves lives
- Search, rescue & first aid
- Relief distribution & evacuation
- Coordination with authorities

COMMUNITY SAFETY

- Prepared communities reduce risks
- Awareness & training builds confidence
- Together, we create a safer environment
- Every citizen has a role to play

KEY PREPAREDNESS STEPS

- Keep an emergency kit ready
- Know your evacuation routes
- Stay updated through official alerts
- Learn basic first aid & safety skills
- Help others, especially vulnerable persons

TOGETHER WE CAN SAVE LIVES & BUILD A SAFER FUTURE

IN CASE OF EMERGENCY

- CALL 112
- FOLLOW OFFICIAL INSTRUCTIONS
- HELP YOUR COMMUNITY

BE AWARE. BE PREPARED. BE A HERO. CIVIL DEFENCE STARTS WITH YOU.

A SAFER COMMUNITY TODAY, A STRONGER NATION TOMORROW.

The Civil Defence Senior Volunteers Carnival 2026 has already been inaugurated in Pushkar, Rajasthan, where the role of voluntary service in disaster management and community safety is being emphasized. Speaking in response to the incident, the Speaker of the Legislative Assembly of Rajasthan, Vasudev Devnani, stated that a

Civil Defence volunteer serves the society on a selfless basis, and carries out crucial responsibilities in dangerous scenarios. He mentioned that such volunteers have rescued hundreds of lives and are called upon first in case of a disaster management. The carnival is planned to enhance the safety of the community, increase training, and unify volunteers, professionals, business people, and citizens on a single platform.

Some of the major highlights of the event included:

- The carnival will be conducted between 3 April and 5 April 2026.
- The location is Pushkar Fort Resort, Pushkar.
- The organisation of it is being facilitated by the senior volunteers of the Civil Defence Service Organisation.
- The carnival theme is: Guarantee of Public Safety.
- Senior volunteers, officers, and distinguished guests in the country are attending the event.

The volunteers of Civil Defence are important

Civil Defence volunteers are significant in the area of community security and disaster management.

According to the Assembly Speaker:

- They serve with an unselfish service spirit.
- They work in high-risk and challenging environments.
- They have assisted in saving hundreds of lives.
- They are one of the first groups that are recalled in case of a disaster management.
- They also contribute towards creating a public awareness about disaster management.

Disaster Management Requirement.

In the current situation, disaster management needs manpower and modernized equipment. This would help enhance the efficiency, safety, and speed of rescue and relief efforts.

Protecting Life and Property Role

The Civil Defence volunteer workers provide services to disaster victims by:

- moving them to secure locations.
- assisting in safeguarding life and property.
- assisting in emergency response in an emergency.

This is shown in their work that emphasises the value of organised volunteer service during crisis.

Education on civil defence in schools is needed.

One of the major recommendations that occurred at the event was that schools should also be taught civil defence.

This would assist the students:

- familiarise oneself with emergency behaviour.
- know how to behave when there is a crisis.
- be ready at a tender age.

This awareness can enhance disaster preparedness on the community level.

The Carnival had the following objectives

The carnival is intended to unite:

- Civil Defence volunteers
- disaster management experts
- MSME entrepreneurs
- ordinary citizens

The goal is to market:

- safety
- service
- training
- community participation

Wider Significance

The event is also supposed to:

- Stronger activities of the Civil Defence Service Organisation.
- offer a new orientation to national-level public safety activities.
- establish better co-ordination between various stakeholders in safety and disaster response.

Conclusion

The Civil Defence Senior Volunteers Carnival 2026 will be a significant project in enhancing disaster preparedness, volunteerism, and awareness of the safety of the population. Understanding the self-sacrificing nature of Civil Defence volunteers and encouraging training, new technology and community involvement, the event leads to a better and more resilient disaster management structure.

MCOs

1. Where will the Civil Defence Senior Volunteers Carnival 2026 be held?

- (a) Jaipur City Palace.
- (b) Pushkar Fort Resort.
- (c) Jodhpur Military Ground.
- (d) Udaipur Convention Centre.

Answer: (b)

Explanation: The Civil Defence Senior Volunteers Carnival 2026 is an event that is being held in Pushkar Fort Resort in Pushkar. The event is to be organized as a national level event where senior volunteers, officials, expertise, and citizens can be used to advance the cause of public safety, service, training, and community involvement.

2. What has been the theme of the Civil Defence Senior Volunteers Carnival 2026?

- (a) Smart Rescue of New India.
- (b) Economic Growth Volunteers.
- (c) Public Safety Guarantee.
- (d) National Unity by means of Tourism.

Answer: (c)

Explanation: The carnival theme is a Guarantee of Public Safety. This is in line with the greater objective of the event, which is to enhance greater effort in the area of public safety, better disaster preparedness, and to acknowledge the significant role of the Civil Defence volunteers in disasters and other risk-prone scenarios.

3. As indicated in the event address, schools should also be taught Civil Defence so that they can:

- (a) raise tourism awareness among students.
- (b) prepare students to work in the private sector.
- (c) sensitize students on the behaviour that is expected in the case of emergency.
- (d) equip students with competitive tests.

Answer: (c)

Explanation : It was proposed that civil defence be incorporated in schools as a way of educating students on what to do in case of an emergency. This would enhance preparedness, awareness, and responsible response in the youth, thus enhancing disaster preparedness at the community level in the long run.

नागरिक सुरक्षा, आपदा प्रतिक्रिया और सामुदायिक सुरक्षा

सिविल डिफेंस सीनियर वॉलंटियर्स कार्निवल 2026 का शुभारम्भ राजस्थान के पुष्कर में हुआ है, जहाँ आपदा प्रबंधन और सामुदायिक सुरक्षा में स्वैच्छिक सेवा की भूमिका पर विशेष बल दिया जा रहा है। इस अवसर पर राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष **वासुदेव देवनानी** ने कहा कि सिविल डिफेंस स्वयंसेवक समाज की निःस्वार्थ भाव से सेवा करते हैं और जोखिमपूर्ण परिस्थितियों में अत्यंत महत्वपूर्ण दायित्व निभाते हैं। उन्होंने बताया कि ऐसे स्वयंसेवकों ने सैकड़ों लोगों की जान बचाई है और आपदा प्रबंधन की स्थिति में सबसे पहले इन्हें याद किया जाता है। यह कार्निवल सामुदायिक सुरक्षा को मजबूत करने, प्रशिक्षण को बढ़ावा देने तथा स्वयंसेवकों, विशेषज्ञों, उद्यमियों और नागरिकों को एक मंच पर लाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया है।

कार्यक्रम की प्रमुख विशेषताएँ

- यह कार्निवल 3 अप्रैल से 5 अप्रैल 2026 तक आयोजित किया जा रहा है।
- इसका आयोजन पुष्कर फोर्ट रिसॉर्ट, पुष्कर में किया जा रहा है।
- इसका आयोजन नागरिक सुरक्षा सेवा संगठन के वरिष्ठ स्वयंसेवकों द्वारा किया जा रहा है।
- कार्निवल का विषय "जन सुरक्षा की गारंटी" रखा गया है।
- इस कार्यक्रम में देशभर से वरिष्ठ स्वयंसेवक, अधिकारीगण और विशिष्ट अतिथि भाग ले रहे हैं।

सिविल डिफेंस स्वयंसेवकों का महत्व

सिविल डिफेंस स्वयंसेवक सामुदायिक सुरक्षा और आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विधानसभा अध्यक्ष के अनुसार:

- वे निःस्वार्थ सेवा भावना से कार्य करते हैं।
- वे उच्च जोखिम और कठिन परिस्थितियों में काम करते हैं।
- उन्होंने सैकड़ों लोगों की जान बचाने में सहायता की है।
- आपदा प्रबंधन की स्थिति में इन्हें सबसे पहले याद किया जाता है।
- वे आपदा प्रबंधन के प्रति जन-जागरूकता फैलाने में भी योगदान देते हैं।

आधुनिक आपदा प्रबंधन की आवश्यकता

इस कार्यक्रम में यह भी रेखांकित किया गया कि आपदा प्रबंधन को प्रभावी बनाने के लिए आधुनिक उपकरणों का उपयोग आवश्यक है। वर्तमान परिस्थितियों में आपदा प्रबंधन के लिए केवल प्रशिक्षित

मानव संसाधन ही नहीं, बल्कि आधुनिक साधनों की भी आवश्यकता है। इससे बचाव और राहत कार्यों की गति, सुरक्षा और प्रभावशीलता बढ़ सकती है।

जीवन और संपत्ति की रक्षा में भूमिका

सिविल डिफेंस स्वयंसेवक आपदा प्रभावित लोगों की सहायता निम्न प्रकार से करते हैं:

- उन्हें सुरक्षित स्थानों तक पहुँचाना
- जन-धन की रक्षा में सहयोग देना
- आपातकालीन स्थिति में तत्काल प्रतिक्रिया कार्यों में सहायता करना

उनका कार्य संकट के समय संगठित स्वैच्छिक सेवा के महत्व को स्पष्ट करता है।

विद्यालयों में नागरिक सुरक्षा शिक्षा की आवश्यकता

कार्यक्रम में एक महत्वपूर्ण सुझाव यह भी दिया गया कि नागरिक सुरक्षा को विद्यालयों में भी पढ़ाया जाना चाहिए। इससे विद्यार्थियों को:

- आपातकालीन व्यवहार की जानकारी मिलेगी
- संकट की स्थिति में सही ढंग से कार्य करना आएगा
- प्रारम्भिक अवस्था से ही तैयारी विकसित होगी

इस प्रकार की जागरूकता सामुदायिक स्तर पर आपदा तैयारी को मजबूत कर सकती है।

कार्निवल के उद्देश्य

इस कार्निवल का उद्देश्य निम्न को एक साथ लाना है:

- सिविल डिफेंस स्वयंसेवक
- आपदा प्रबंधन विशेषज्ञ
- एमएसएमई उद्यमी
- सामान्य नागरिक

इसके माध्यम से निम्न को बढ़ावा देना है:

- सुरक्षा
- सेवा
- प्रशिक्षण
- सामुदायिक सहभागिता

व्यापक महत्व

यह कार्यक्रम आगे चलकर:

- नागरिक सुरक्षा सेवा संगठन की गतिविधियों को मजबूत करेगा

- राष्ट्रीय स्तर पर जन सुरक्षा प्रयासों को नई दिशा देगा
- सुरक्षा और आपदा प्रतिक्रिया से जुड़े विभिन्न पक्षों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करेगा

निष्कर्ष

सिविल डिफेंस सीनियर वॉलंटियर्स कार्निवल 2026 आपदा तैयारी, स्वैच्छिक सेवा और जन-सुरक्षा जागरूकता को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। सिविल डिफेंस स्वयंसेवकों की निःस्वार्थ भूमिका को सम्मान देते हुए तथा प्रशिक्षण, आधुनिक तकनीक और सामुदायिक भागीदारी को प्रोत्साहित करते हुए यह कार्यक्रम अधिक सशक्त और सक्षम आपदा प्रबंधन ढाँचे के निर्माण में योगदान देता है।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. सिविल डिफेंस सीनियर वॉलंटियर्स कार्निवल 2026 का आयोजन कहाँ किया जा रहा है?

- (a) जयपुर सिटी पैलेस
- (b) पुष्कर फोर्ट रिसॉर्ट
- (c) जोधपुर मिलिट्री ग्राउंड
- (d) उदयपुर कन्वेंशन सेंटर

उत्तर: (b)

व्याख्या: सिविल डिफेंस सीनियर वॉलंटियर्स कार्निवल 2026 का आयोजन पुष्कर में स्थित पुष्कर फोर्ट रिसॉर्ट में किया जा रहा है। इस कार्यक्रम को राष्ट्रीय स्तर के मंच के रूप में विकसित किया गया है, जहाँ वरिष्ठ स्वयंसेवक, अधिकारी, विशेषज्ञ और नागरिक जन-सुरक्षा, सेवा, प्रशिक्षण और सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए एकत्रित हो रहे हैं।

2. सिविल डिफेंस सीनियर वॉलंटियर्स कार्निवल 2026 का विषय क्या रखा गया है?

- (a) स्मार्ट रेस्क्यू ऑफ न्यू इंडिया
- (b) वॉलंटियर्स फॉर इकोनॉमिक ग्रोथ
- (c) जन सुरक्षा की गारंटी
- (d) पर्यटन के माध्यम से राष्ट्रीय एकता

उत्तर: (c)

व्याख्या: इस कार्निवल का विषय "जन सुरक्षा की गारंटी" रखा गया है। यह विषय कार्यक्रम के व्यापक उद्देश्य को दर्शाता है, जिसका लक्ष्य जन-सुरक्षा प्रयासों को मजबूत करना, आपदा तैयारी को बेहतर बनाना तथा जोखिमपूर्ण और आपातकालीन परिस्थितियों में सिविल डिफेंस स्वयंसेवकों की महत्वपूर्ण भूमिका को मान्यता देना है।

3. कार्यक्रम में दिए गए विचार के अनुसार विद्यालयों में सिविल डिफेंस पढ़ाने का उद्देश्य क्या है?

- (a) विद्यार्थियों में पर्यटन संबंधी जागरूकता बढ़ाना
- (b) विद्यार्थियों को निजी क्षेत्र की नौकरियों के लिए तैयार करना

- (c) विद्यार्थियों को आपातकालीन परिस्थितियों में किए जाने वाले व्यवहार के प्रति जागरूक बनाना
(d) विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार करना

उत्तर : (c)

व्याख्या: कार्यक्रम में सुझाव दिया गया कि विद्यालयों में सिविल डिफेंस पढ़ाया जाना चाहिए ताकि विद्यार्थियों को यह समझ हो सके कि आपातकालीन परिस्थितियों में किस प्रकार का व्यवहार करना चाहिए। इससे युवाओं में जागरूकता, तैयारी और जिम्मेदार प्रतिक्रिया क्षमता बढ़ेगी, जो दीर्घकाल में सामुदायिक स्तर पर आपदा तैयारी को अधिक मजबूत बनाएगी।

Census 2027, Self-Enumeration and House Listing.



Census 2027 preparations have been stepped up in Rajasthan with Jaipur, employing approximately 25,000 people to do the exercise. The census will take place in the following stages: The first stage of the census will be conducted between 16 May and 14 June; during this period, house listing and housing census will be done. Prior to this, the citizens will be able to perform self-enumeration between 1 May and 15 May on a special digital portal. The census staff will undertake door-to-door validation after self-enumeration. The second step, which is the step of enumeration of individual population, is planned to be held in the year February 2027.

Major Characteristics of the Census Exercise

- The first phase of Census 2027 will begin on 16 May and continue till 14 June.
- This step will include house listing and housing census.
- Self-enumeration will be possible between 1 May and 15 May.
- Officials will confirm information after self-enumeration by using house hold visits.
- The second stage of the individual enumeration will be conducted in February 2027.

Jaipur and Rajasthan-Level Administrative Preparation

- Over 2 lakh officers and employees have been associated with the training process in the state of Rajasthan.
- There are approximately 25 000 workers allocated to the census work in the Jaipur district.
- Their training will start on or after 7 April.
- By the administrative plan, there will be 2 enumerators of approximately 700 families.
- Approximately, there will be a number of enumerators amounting to six and under one supervisor.

Field Structure and Schedule Training

- Training of the enumerators will take place between 7 April and 10 April.
- Training of the supervisors will be provided between 15 April and 25 April.
- The blocks have already been prepared as enumeration blocks.

An average of approximately 120 to 150 houses will be enumerated in one block.

The relocation of workers who are on census duty will still be limited until the census work is completed.

Self-Enumeration Process

- The online census system will enable the citizens to do their self-enumeration.

The process includes:

- login and registration
- determining the place on a computer map.
- filling in the questionnaire related to house, amenities, and family members
- authentication by mobile identification.
- creation of a digital identification following authentication.

The system is aimed at streamlining the census participation process prior to physical verification.

This is the first phase of house listing

- In the initial stage, all houses in urban and rural regions will be catalogued.
- These buildings will also be categorized into residential or other use category.
- This will form the foundation of the bigger Census 2027 exercise.

The data used for references are valid.

- New buildings, settlements, villages, and wards built to and including the date of 31 December 2025 will be included.
- The boundary-related and base data to be prepared based on the year 2026, January will be valid over the next 10 years.

Coordination Committees Formed

In order to facilitate a smooth implementation process, coordination committees have been established at:

- tehsil / town level
- village level

Such committees are composed of the representatives of local administration and major service departments.

They are to assist in planning, coordinating, and successful implementation of Census 2027.

Conclusion

The next Census 2027 is to be conducted using a mixture of digital self-enumeration, house listing, and administrative verification. Rajasthan has embarked on massive preparations of one of the biggest governance exercises in the country with mass deployment of staff in Jaipur, coordination committees at various levels and structured training of the staff.

MCOs

1. Choose the correct option regarding census 2027 of Rajasthan ?

- (a) It will only be held in February 2027 and will involve individual enumeration.
- (b) It will be conducted between 16 May and 14 June and will also involve house listing and housing census.
- (c) It is going to be done entirely via mobile applications without field checks.
- (d) It will only address urban based households and not rural settlements.

Answer: (b)

Explanation: The Census 2027 phase 1 in Rajasthan will be conducted between 16 May and 14 June. The period will be spent on house listing and housing census, and the individual population enumeration will be addressed in the further period in February 2027. Self-enumeration and subsequent physical verification is also involved in the process.

2. What period will the census 2027 self-enumeration facility be available?

- (a) 7 April to 10 April
- (b) 15 April to 25 April
- (c) 1 May to 15 May
- (d) 16 May to 14 June

Answer: (c)

Explanation: Self-enumeration: The citizens will be able to fill their own census information between 1 May and 15 May. Once this step is completed, the census workers will go to homes to check them out. This setup integrates electronic participation with field-level validation to enhance precision and coverage.

3. One enumerator will be a general assignment of about to the administrative arrangement described in the report.

- (a) 150 families
- (b) 300 families
- (c) 500 families
- (d) 700 families

Answer: (d)

Explanation: According to the report, about 700 families will have one enumerator. It also indicates that there will be approximately six enumerators who will be supervised by one person. This is one of the structures in the field-level administrative planning aimed at successful running of Census 2027 in Rajasthan.

जनगणना 2027, स्व-गणना और मकान सूचीकरण

राजस्थान में जनगणना 2027 की तैयारियाँ तेज कर दी गई हैं। इस प्रक्रिया के लिए जयपुर में लगभग 25,000 कार्मिकों को लगाया गया है। जनगणना का पहला चरण 16 मई से 14 जून तक चलेगा, जिसके दौरान मकान सूचीकरण और आवास गणना की जाएगी। इससे पहले नागरिक 1 मई से 15 मई तक एक विशेष डिजिटल पोर्टल के माध्यम से स्व-गणना कर सकेंगे। स्व-गणना के बाद

जनगणना कर्मचारी घर-घर जाकर सत्यापन करेंगे। **व्यक्तिगत जनगणना** वाला दूसरा चरण **फरवरी 2027** में आयोजित किया जाएगा।

जनगणना अभियान की प्रमुख विशेषताएँ

- **जनगणना 2027** का पहला चरण **16 मई** से शुरू होकर **14 जून** तक चलेगा।
- इस चरण में **मकान सूचीकरण** और **आवास गणना** की जाएगी।
- **स्व-गणना** की सुविधा **1 मई से 15 मई** तक उपलब्ध रहेगी।
- स्व-गणना के बाद अधिकारी **घर-घर जाकर जानकारी का सत्यापन** करेंगे।
- **व्यक्तिगत गणना** का दूसरा चरण **फरवरी 2027** में किया जाएगा।

जयपुर और राजस्थान स्तर पर प्रशासनिक तैयारी

- पूरे राजस्थान में **2 लाख से अधिक अधिकारी और कर्मचारी** प्रशिक्षण प्रक्रिया से जुड़े हुए हैं।
- **जयपुर जिले** में जनगणना कार्य के लिए लगभग **25,000 कर्मचारी** लगाए गए हैं।
- इनका प्रशिक्षण **7 अप्रैल** से शुरू होगा।
- प्रशासनिक व्यवस्था के अनुसार लगभग **700 परिवारों पर एक प्रगणक** नियुक्त किया जाएगा।
- लगभग **छह प्रगणकों पर एक पर्यवेक्षक** रहेगा।

प्रशिक्षण कार्यक्रम और क्षेत्रीय संरचना

- **प्रगणकों** का प्रशिक्षण **7 अप्रैल से 10 अप्रैल** तक होगा।
- **पर्यवेक्षकों** का प्रशिक्षण **15 अप्रैल से 25 अप्रैल** तक आयोजित किया जाएगा।
- क्षेत्र स्तर पर **गणना खंड** पहले ही तैयार किए जा चुके हैं।
- सामान्यतः एक गणना खंड में लगभग **120 से 150 मकान** शामिल होंगे।
- जनगणना कार्य में लगे कर्मचारियों के **स्थानांतरण पर कार्य पूर्ण होने तक रोक** रहेगी।

स्व-गणना की प्रक्रिया

नागरिक ऑनलाइन जनगणना प्रणाली के माध्यम से अपनी **स्व-गणना** कर सकेंगे। इस प्रक्रिया में शामिल होंगे:

- लॉगिन और पंजीकरण
- डिजिटल मानचित्र पर स्थान की पहचान
- मकान, सुविधाओं और परिवार के सदस्यों से संबंधित प्रश्नावली भरना
- मोबाइल आधारित प्रमाणीकरण
- प्रमाणीकरण के बाद डिजिटल पहचान का निर्माण

यह व्यवस्था भौतिक सत्यापन से पहले जनगणना प्रक्रिया को अधिक सरल और व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से तैयार की गई है।

पहले चरण में मकान सूचीकरण

पहले चरण में शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के **हर मकान का सूचीकरण** किया जाएगा। इन भवनों को उनके **आवासीय या अन्य उपयोग की श्रेणियों** में भी वर्गीकृत किया जाएगा। यही प्रक्रिया आगे की व्यापक **जनगणना 2027** के लिए आधार तैयार करेगी।

संदर्भ आँकड़ों की वैधता

- **31 दिसंबर 2025** तक बने नए भवन, बस्तियाँ, गाँव और वार्ड इसमें शामिल किए जाएंगे।
- **जनवरी 2026** के आधार पर तैयार की जाने वाली सीमा और आधार संबंधी जानकारी अगले **10 वर्षों** तक मान्य रहेगी।

समन्वय समितियों का गठन

सुगम क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए निम्न स्तरों पर **समन्वय समितियाँ** गठित की गई हैं:

- **तहसील / नगर स्तर**
- **ग्राम स्तर**

इन समितियों में स्थानीय प्रशासन और प्रमुख सेवा विभागों के प्रतिनिधि शामिल हैं। इनका कार्य **जनगणना 2027** के सफल संचालन हेतु योजना, समन्वय और कार्यान्वयन में सहयोग देना है।

निष्कर्ष

आगामी **जनगणना 2027** को **डिजिटल स्व-गणना**, **मकान सूचीकरण** और **प्रशासनिक सत्यापन** के संयोजन के साथ संचालित किया जाएगा। जयपुर में बड़े पैमाने पर कार्मिक तैनाती, बहु-स्तरीय समन्वय समितियों का गठन और सुव्यवस्थित प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से राजस्थान ने देश के सबसे महत्वपूर्ण प्रशासनिक अभियानों में से एक के लिए व्यापक तैयारी शुरू कर दी है।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन राजस्थान में जनगणना 2027 के पहले चरण का सही वर्णन करता है?

- (a) यह केवल फरवरी 2027 में आयोजित होगा और इसमें व्यक्तिगत गणना होगी।
- (b) यह 16 मई से 14 जून तक चलेगा और इसमें मकान सूचीकरण तथा आवास गणना शामिल होगी।
- (c) यह केवल मोबाइल अनुप्रयोगों के माध्यम से होगा और क्षेत्रीय सत्यापन नहीं किया जाएगा।
- (d) यह केवल शहरी परिवारों तक सीमित होगा और ग्रामीण बस्तियाँ इसमें शामिल नहीं होंगी।

उत्तर: (b)

व्याख्या: राजस्थान में जनगणना 2027 का पहला चरण 16 मई से 14 जून तक आयोजित किया जाएगा। इस अवधि में मकान सूचीकरण और आवास गणना की जाएगी, जबकि व्यक्तिगत

जनगणना बाद में फरवरी 2027 में होगी। इस प्रक्रिया में स्व-गणना के बाद भौतिक सत्यापन भी शामिल है।

2. जनगणना 2027 के लिए स्व-गणना सुविधा किस अवधि में उपलब्ध रहेगी?

- (a) 7 अप्रैल से 10 अप्रैल
- (b) 15 अप्रैल से 25 अप्रैल
- (c) 1 मई से 15 मई
- (d) 16 मई से 14 जून

उत्तर: (c)

व्याख्या: नागरिक 1 मई से 15 मई तक स्व-गणना के माध्यम से अपनी जनगणना संबंधी जानकारी स्वयं भर सकेंगे। इस चरण के पूरा होने के बाद जनगणना कर्मचारी घर-घर जाकर सत्यापन करेंगे। यह व्यवस्था डिजिटल भागीदारी और क्षेत्रीय सत्यापन, दोनों को जोड़ती है, जिससे शुद्धता और व्यापकता बढ़ती है।

3. रिपोर्ट में वर्णित प्रशासनिक व्यवस्था के अनुसार सामान्यतः एक प्रगणक को लगभग कितने परिवार सौंपे जाएंगे?

- (a) 150 परिवार
- (b) 300 परिवार
- (c) 500 परिवार
- (d) 700 परिवार

उत्तर : (d)

व्याख्या : रिपोर्ट के अनुसार लगभग 700 परिवारों पर एक प्रगणक नियुक्त किया जाएगा। इसके साथ ही लगभग छह प्रगणक एक पर्यवेक्षक के अधीन कार्य करेंगे। यह संरचना राजस्थान में जनगणना 2027 के सफल संचालन के लिए तैयार की गई क्षेत्रीय प्रशासनिक व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा है।